BENNETT, COLEMAN & CO. LTD. | Estd. 1838 | VOL. 44 NO. 37 | LUCKNOW | FRIDAY, FEBRUARY 13, 2026 | PAGES 30 | PRICE ₹4.00

THE TIMES OF INDIA

INCLUSIVE OF LUCKNOW TIMES (CITY ONLY)

INDIA'S LARGEST ENGLISH NEWSPAPER | To subscribe call 1800 1200 004 or visit subscribe.timesofindia.com

Russia blocks WhatsApp, citing failure to comply with local law, days after curbing Telegram. Urges Russians to switch to domestic alternative without encryption, P 17

Bioethics unit comes up at Era University

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: To promote ethical practices in medical education, research and patientcare, a bioethics unit has been established at Era Medical University on Thursday. The order for the formation of the unit was handed over by Dr

The initiative has been taken under guidance of vice-chancellor Prof Abbas Ali Mahdi

Russell D'Souza, Asia-Pacific Head of the International Chair in Bioethics, to Pro Vice-Chancellor Prof Farzana Mehdi. The initiative has been taken under guidance of VC Prof Abbas Ali Mahdi. Prof Dr Farzana Mehdi said Bioethics Unit would serve as an important academic body to ensure that scientific progress remains balanced with ethical responsibility.

होम | Feb 13, 2026 | लखनऊ | 01: PAGE | Help
news paper...

www.livehindustan.com

हिन्दुस्तान

1936
सत्य • सार्थक • सदैव

भरोसा नए हिन्दुस्तान का

शुक्रवार
13 फरवरी 2026, फाल्गुन कृष्ण पक्ष, एकादशी/द्वादशी, विक्रम सम्वत् 2082, लखनऊ

नगर संस्करण
● पांच प्रदेश ● 23 संस्करण

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान बोले, तीसरी कक्षा से ही दी जाएगी एआई की शिक्षा

मरीज का जीवन बेहतर बनाना लक्ष्य

लखनऊ। मरीजों का जीवन बेहतर बनाना ही चिकित्सा क्षेत्र का अहम मकसद होना चाहिए। 'ओपन' का अर्थ केवल खुला होना नहीं, बल्कि अनलॉक करना भी है। यह बातें एरा मेडिकल विवि के कुलपति डॉ. अब्बास अली मेहदी ने कही। उन्होंने विवि परिसर में बायोएथिक्स (जैव नीति) विज्ञान इकाई का उद्घाटन किया।कहा कि जागरूकता, जवाबदेही और अखंडता बायोएथिक्स के मूल मंत्र हैं।

आवाज़ ... आम आदमी की

इन्क़िलाबी नज़र

लखनऊ, शुक्रवार, 13 फरवरी 2026

वर्ष 18 अंक 163 मूल्य 4-00 रुपया पृष्ठ- 12

चाहे वो गूगल हो या एप्पल या फ्री सॉफ्टवेयर, हमारे कुछ शानदार प्रतिस्पर्धी है जो हमें चौकन्ना रखते है।

- बिल गेट्स

तापमान - अधिकतम 27.0°C (+1.5) न्यूनतम 12.1°C(+1.8) सेंसेक्स 83,674.92 (-558.72) निफ्टी 25,807.20 (-146.65) सोना 1,58,550 चांदी 2,95,000 मुद्रा - डालर 90.55 दिरहम 24.65 रियाल 24.14

एरा विश्वविद्यालय में हुई बायोएथिक्स यूनिट की स्थापना

एशिया हेड डॉ. रसेल डिसूजा ने सौंपा आदेश, यूनिट सदस्यों को दिए नियुक्ति पत्र

- जागरुकता, जवाबदेही व अखण्डता बायोएथिक्स के मूल मंत्र : प्रो. टी. वेंकटेश
- विवि का महत्वपूर्ण स्तम्भ है जैवनीति विज्ञान इकाई : प्रो. फरजाना मेहदी

लखनऊ (ब्यूरो)। एरा विश्वविद्यालय में गुरुवार को बायोएथिक्स (जैव नीति) विज्ञान इकाई का उद्घाटन व स्थापना कर चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। बायोएथिक्स इकाई के उद्घाटन कार्यक्रम में एरा विवि के कुलपति प्रो. अब्बास अली मेहदी, प्रो. वीसी प्रो. डॉ. फरजाना मेहदी, लेडमैन डॉ. टी. वेंकटेश, आईसीबी के एशिया प्रशांत प्रभाग के अध्यक्ष डॉ. रसेल डिसूजा, आईसीबी एशिया प्रशांत प्रभाग की सहअध्यक्ष डॉ. मैरी मैथ्यू, स्वास्थ्य कानून सलाहकार डॉ. विवेक मैडी, प्रशासनिक प्रबंधक पर्ल डिसूजा मौजूद थे। इस मौके पर डॉ. रसेल डिसूजा ने एरा विवि में बायोएथिक्स यूनिट की स्थापना का आदेश विवि की प्रो. वीसी और जैव नीति इकाई की अध्यक्ष प्रो. डॉ. फरजाना मेहदी को सौंपा। एरा विवि में बायोएथिक्स यूनिट की स्थापना विवि के कुलपति प्रो. अब्बास अली मेहदी के मार्गदर्शन में हुई, जिनकी शैक्षिक उत्कृष्टता और नैतिक अखण्डता यूनिट की स्थापना के पीछे है।

इस मौके पर एरा विवि की प्रो. वीसी प्रो. डॉ. फरजाना मेहदी ने कहा कि नवगठित जैव नीति विज्ञान इकाई केवल एक विभाग नहीं बल्कि एक आधुनिक चिकित्सा विश्वविद्यालय का महत्वपूर्ण स्तम्भ है, जो सुनिश्चित करता है कि वैज्ञानिक प्रगति हमेशा नैतिक जिम्मेदारी के साथ संतुलित रहे। इस मौके पर लेडमैन के नाम से प्रसिद्ध डॉ. थुप्पिल वेंकटेश ने कहा कि हमें मरीज का जीवन बेहतर बनाना है। उन्होंने कहा कि ओपन का मतलब अनलॉक करना भी होता है। इसलिए पहले हमें नैतिकता शुरू करना होगी। उन्होंने कहा कि जागरुकता, जवाबदेही और अखण्डता बायोएथिक्स के मूल मंत्र हैं। उन्होंने चिकित्सा और चिकित्सा शिक्षा क्षेत्र में एरा विवि के कामों की सराहना की। कार्यक्रम को ऑनलाइन सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि दत्ता मेघे आयुर्वेद संस्थान वर्धा के प्रो. वी.सी. प्रो. वेदप्रकाश मिश्रा ने कहा कि मेरा शरीर जरूर यहां है लेकिन आत्मा और दिल एरा में हैं। उन्होंने कहा कि एरा विवि चिकित्सा के क्षेत्र में बहुत उत्कृष्ट कार्य कर रहा है। डॉ. रसेल डिसूजा ने कहा कि यहां आकर बहुत अच्छा लगा। एरा के सिद्धांत और मूल्य बहुत सराहनीय हैं। आज का दिन संस्थान के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने बायोएथिक्स यूनिट की नई टीम और अध्यक्ष डॉ. अनुजा भार्गव को बधाई देते हुए प्रशिक्षण को कहा। डॉ. मैरी मैथ्यू ने बायोएथिक्स यूनिट की छात्र शाखा को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि छात्रों को नैतिकता के क्षेत्र में आगे बढ़ना है। छात्र हमारा भविष्य हैं। ऐसे में उनमें बायोएथिक्स आवश्यक है। डॉ. विवेक मैडी ने कहा कि बायोएथिक्स यूनिट की स्थापना बड़ा कदम है। यह तमाम चुनौतियों से निपटने में मददगार बनेगी। छात्रों को भी इसके सिद्धांतों से अवगत होना चाहिए। उन्होंने विवि में बायोएथिक्स यूनिट की स्थापना के लिए विवि प्रबंधन को बधाई दी। इस मौके पर एरा विवि के कुलपति प्रो. अब्बास अली मेहदी ने डॉ. टी.वेंकटेश, डॉ. मैरी मैथ्यू, डॉ. विवेक मैडी, पर्ल डिसूजा तथा प्रो. वी.सी. प्रो. डॉ. फरजाना मेहदी ने डॉ. रसेल डिसूजा को फूलों का पौधा भेंट किया। डॉ. पिंकी देवी ने अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में विवि के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, डीन, चिकित्सक व छात्र मौजूद थे।

डॉ. अनुजा भार्गव बनीं बायोएथिक्स यूनिट की अध्यक्ष

डॉ. रसेल डिसूजा ने एरा विवि में बायोएथिक्स यूनिट की अध्यक्ष प्रो. डॉ. अनुजा भार्गव और सचिव प्रो. डॉ. सीमा सिंह को नियुक्ति पत्र प्रदान किये। इसी के साथ उन्होंने यूनिट के अन्य सदस्यों प्रो. एच.सी.एल. रावत प्रो. एरा नर्सिंग कॉलेज, प्रो. पिंकी देवी प्रो. एरा नर्सिंग कॉलेज, डॉ. अनु अंकिता सहायक प्रो. शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, डॉ. रुचि चतुर्वेदी, एसोसिएट प्रो. सामुदायिक चिकित्सा विभाग और छात्र शाखा के प्रभारी गणेश भोजवाल, मुस्कान राजपूत, नीरज ओझा सहित छात्र यूनिट के सदस्यों को भी नियुक्ति पत्र प्रदान किये। बायोएथिक्स यूनिट की स्थापना के बाद विवि के शैक्षणिक नेतृत्व के लिए प्रो. रसेल डिसूजा के नेतृत्व में कार्यशाला आयोजित हुई। कार्यशाला में विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष और संकाय सदस्य शामिल हुए। कार्यशाला में रोजमर्रा की मरीज देखभाल में नैतिक सिद्धांतों के नैदानिक अनुप्रयोग, चिकित्सा में नैतिक अनुसंधान के लिए ढांचे को मजबूत करने आदि पर विचार विमर्श किया गया।